# Woman's Day Out ... A day of Inspiration

Abu Dhabi Temple

प्रकृति का नियम को कैसे निभाया जाता है और समय की पाबंदी की सीख सूर्य की क्रियाशीलता से बेहतर नहीं हो सकती है। यही नहीं जीव-जंतु और मनुष्यों की दिनचर्या व जीवनयापन भी सूर्य के उदयन व अस्त की प्रक्रिया पर ही निर्भर है। उस रोज़ क्षितिज से उगता सूरज की लालिमा की बिखरती किरणों का अद्भुत नजारा कुछ अलग प्रतीत हो रहा था। यही नहीं चिड़ियों की चहचहाहट में मानो ऊर्जा का बहाव हर दिन से अधिक महसूस हो रहा था। इसके पीछे का कारण समझ से परे नहीं था।

**महिला दिवस के उपलक्ष्य** में आयोजित समारोह में जाने के लिए प्राप्त निमंत्रण पत्र ही था। जिसका आयोजन नव निर्मित **BPS आबूधाबी** मंदिर में किया गया था। उस रोज हवाओं का रूख में खुशियों भरी तरंगें दौड़ने का अहसास हो रहा था। इस सुखद अनुभव की अनुभूति के भाव वहां उपस्थित प्रत्येक महिला के चेहरे पर देखा जा सकता था।

**मार्च माह का वह दिन महिला दिवस** कई मायनों में महत्वपूर्ण और हमेशा विशेष रहा है। किन्तु वो दिन महिलाओं की रोजमर्रा की जिंदगी से ब्रेक लेकर मंदिर में जाकर बिताना अपने आप में खास दिन था। सामाजिक दृष्टिकोण से आकलन किया जाए तो निश्चित रूप से महत्वपूर्ण घटना रही। विभिन्न समूहों की महिलाओं का एक स्थान पर एकत्रित होना न केवल सामुदायिक एकता, ऐतिहासिक महत्व को दर्शाती है बल्कि आध्यात्मिक और सांस्कृतिक उत्सव की तस्वीरें उजागर भी

करती है। इस दौरान महिलाओं ने न केवल अपनी धार्मिक आस्थाओं पूर्ण विश्वास को पुन: प्रमाणित करने का अवसर प्राप्त हुआ। यही नहीं उन्होंने आपस में जीवन के अनुभवों को भी साझा किया। अनेक विशिष्ट महिलाओं ने समाज के सम्मुख अनेक प्रेरणादायी उदाहरणों की प्रस्तुतियां भी की। यह इस बात को दर्शाती है कि समाज के निर्माण के हर क्षेत्र में महिलाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहता है। महिलाओं द्वारा आयोजित और उन पर केंद्रित ऐसे कार्यक्रम समाज में लिंक समानता और उनके प्रति सम्मान की भावना रखने की दिशा की ओर अधिक ध्यान देने को प्रेरित करता है।

मंदिर परिसर के शांत वातावरण में पारंपरिक रंगीन पोशाकों में चहलकदमी करती महिलाएं... देश की समृद्ध संस्कृति और आध्यात्मिक दृष्टिकोण की पहचान करा रही थी। भारतीय विरासत की पौराणिक कथाओं का... शिल्पकारों द्वारा प्रस्तुत कलाकृतियाँ का वर्णन मंदिर के उत्कृष्ट वास्तुकला का अद्भुत उदाहरण है।

**मंदिर में आयोजित महिलाओं का दिन**... इस तरह के आयोजन... युवा पीढ़ी को भी अपनी संस्कृति और धार्मिक प्रथाओं प्रति जागरूक और सम्मान रखने की प्रेरणा देता है। ऐसे कार्यक्रम के माध्यम से उन्हें अपनी सांस्कृतिक विरासत को

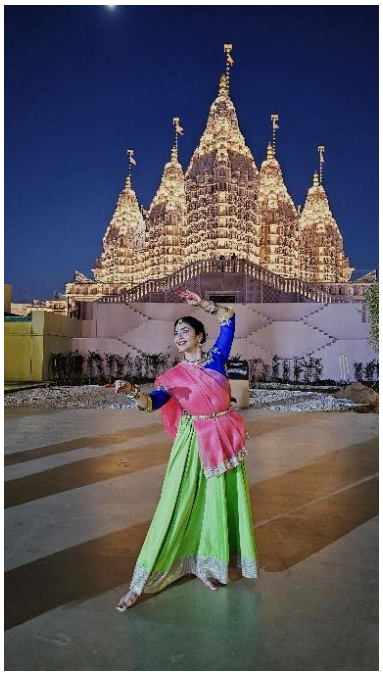

अपनी जीवन-शैली में अपनाने का एक अवसर के रूप में देखना चाहिए। सूर्यास्त पर मंदिर के प्रांगण में जगमगाती रोशनी सांस्कृतिक धरोहरों को कहानियों को रोशन कर रही थी। वहां के भव्य हाल में आयोजित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में नृत्य गतिविधियां में महिलाओं को अपनी प्रतिभा और कलात्मक अभिव्यक्ति को साझा करने का अवसर मिला। वहां उपस्थित अनेक गणमान्य महिलाओं न केवल स्थानीय बल्कि देश विदेश से आई सम्मानित महिलाओं ने अपने दार्शनिक विचारों पर प्रकाश डालते हुए अपने अनुभवों को सभी के साथ साझा किया जाना न केवल एकता और सहयोग की भावना को बल्कि सामुदायिक बंधनों को भी मजबूत करता है। इस दिवस को रंगो से भरा **'Festival of Harmony'** कहना उपयुक्त होगा। परदेश में धार्मिक स्थल पर भारतीय कला और देश की सांस्कृतिक विरासत की पहचान को विशिष्ट स्थान प्राप्त होना हर भारतीय को गौरवान्वित करता है। मंदिर परिसर में आयोजित रंगारंग समारोह का मकसद सिर्फ एक..... **विश्व की अन्य संस्कृतियों के साथ जुड़ते हुए प्रेम और सौहार्द का संदेश देना था। ऐसे** अद्भुत दृश्य का साक्षी होने का अनुभव न केवल दिलचस्प बल्कि यादगार रहेगा। यह लेख देश-विदेश की सब महिलाओं को समर्पित है

**गीतांजलि सक्सेना**

मार्च 2024